

साधु० ५० ००

साकः ०३ ५१

सैमावी० ०७ ५५

वि० सां ०७ ७३

26

११ १२ १३

५११-१८५७

१६ १८ २५

ॐ

ग्रन्थनं ० - २३ - ३३ - ०

विजयेश्वर पञ्चाङ्गम्

[मुहूर्तपत्र सहितं]

सप्तर्षिसम्बत—५०४३। ई० १९६७-६८

ज्योतिर्विदा प्रेमनाथ शास्त्रिणा, श्रीकण्ठ काशीनाथ सहायतः

प्रकाशितं — शुभायास्तु

[illegible][illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

५०० पृष्ठसंख्ये ३५ ७७ अक्षर संख्या मित्र कुंजीवर्णी कस्तुरी जंस मंत्र ॥ गिअ नमस्ते सुमुख विजयीणी भुक्त सदास उधार ॥

॥ गरीडसखल ॥

॥ गरीज

कलकत्ता: ०३ डिसेंबर ०० भिजः
 विसं ७ ३ मि ७ भांडां:
 कुलभंड
 गंस ७ ०५ मि ७१ सुदुवीवणि ३ सुदुभाभः भंडकण्ड
 विराट् भंडाणि ७ ७५ सुदुभाभः
 कंस ७ ७३ विमि ७३ सुदुभाभः
 भाभुवणि ७ ७५ सुदुभाभः
 सुदुभाभः
 सुदुभाभः ७७ विमि ७७ ५५ विमल ०० कलकत्ता:
 विमल भिजः
 सुदुभाभः ७७ ३ भांडां:
 सुदुभाभः ७७ ३ भाभुवणि ३ सुदुभाभः
 सुदुभाभः ७७ ३ भाभुवणि ३ सुदुभाभः

२५-११-१९९१
नयाजी नगर ७
भा.व.सि.स.म.स.
क.स.स.:

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

[illegible][illegible][illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

गन्धः
सुगन्धः
दुग्धः
भाउमन्त्रः

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

0	0
0	0
50	3
33	20
52	19
29	23
3	3

9 9
 F 3
 9K 3
 F6 2
 3 3
 00 00

[illegible]

卷之五

842.56

पुष्टिमार्गमते संवत् ५००० मेषसुनि प्रथिमं श्रीमार्कः ०३ ५१ कालगणकः ५०५
 मन्त्रम् ३१ भागमालः ००० कृष्णः ५७ ३३ मयनम् ० ५३ ३३ ॥
 भनः पूरुषि कृष्णः

असिद्धमसिद्धः

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

0	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	-----

[illegible]

सर्वज्ञः सर्वशक्तिः सर्वशक्तिः

C-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu Digitized by eGangotri



विजयेश्वर-ज्योतिष-कार्यालय

से मिलने वाली पुस्तकें :—

- १ भवानीनामसहस्र, २ सन्ध्योपासन विधि, ३ कर्मकार दीपक [उ
- ४ पञ्चस्तवी, ५ कापी साईज में विचित्र रंगों में छपी हुई जन्मपत्री ।
- ६ विचित्ररंगों में छपे हुये जन्मपत्री के लम्बे फार्म ।

इदं पंचाङ्गं प्रेमनाथशास्त्रिणा गणितं प्रकाशितं लिखितञ्च शुभायास्तु ।

